# लखनऊ ब्रेस्ट कैंसर सपोर्ट ग्रुप

## चार साल की यात्रा का जश्न

LUCKNOW BREAST CANCER SUPPORT GROUP

**सशक्त करने के लिए प्रबुद्ध करें**

**स्तन कैंसर के बारे में अपने करीबी और प्रिय लोगों से बात करें**

एक नई पहल

इण्डोक्राइन सर्जरी विभाग,

किंग जॉर्ज मेडिकल चिकित्सालय, लखनऊ, उ0प्र0

# परिचय

स्तन कैंसर आज हमारे देश में महिलाओं में अग्रणी कैंसर है, जिसके हर साल 1.7 लाख से अधिक नए मामले सामने आते हैं और 80,000 से अधिक महिलाएं इस बीमारी से मर जाती हैं। स्तन कैंसर के मामलों में वृद्धि और निराशाजनक पूर्वानुमान, शारीरिक, भावनात्मक और वित्तीय बोझ में योगदान कर सकते हैं , जो प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के लिए कष्टदायी हो सकता है

यह किसी व्यक्ति के जीवन को बहुत परेशान कर सकता है, उनकी योजनाओं और सपनों को बाधित कर सकता है, और उन्हें डरा हुआ, भ्रमित और अकेला महसूस कर सकता है। निदान का भावनात्मक असर लोंगों को निराश कर सकता है, क्योंकि रोगी अपनी स्थिति की वास्तविकता और उनके जीवन पर इसके प्रभाव को स्वीकार करने के लिए संघर्ष करते हैं।

इलाज शुरू करने के बाद भी कुछ रोगी गलत धारणाओं, अज्ञानता, वित्तीय बाधाओं के कारण अपना इलाज पूरा नहीं कर पाते हैं।कुछ रोगी वैकल्पिक उपचार लेने पर भी विचार करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इस प्रकार कैंसर के निदान के बाद कीमती समय बर्बाद होता है। अक्सर रोगी के मन में यह प्रश्न उठता है कि मैं ही क्यों ?

ऐसे में किसी ऐसे व्यक्ति को जानना और उससे मिलना बेहद उपयोगी हो सकता है जिसने पहले स्तन कैंसर का सामना किया हो और इस बीमारी पर काबू पा लिया हो। किसी ऐसे व्यक्ति के साथ बातचीत करना जो इसी तरह के अनुभव से गुजरा हो, रोगियों को आशा, प्रोत्साहन और प्रेरणा की भावना प्रदान कर सकता है। इससे उन्हें यह महसूस करने में मदद मिलती है कि वे अपने संघर्ष में अकेले नहीं हैं और बीमारी पर काबू पाने और अपने जीवन को पुनः प्राप्त करने का एक तरीका है। स्तन कैंसर से पूर्ण रूप से स्वस्थ हो चुके लोग भावनात्मक समर्थन कर सकते हैं और रोगियों को अपने अनुभव साझा करने, प्रश्न पूछने और समान अनुभवों से गुजरने वाले अन्य लोगों से सीखने के लिए एक सुरक्षित और सहायक वातावरण प्रदान कर सकते हैं। इसके अलावा, एक स्तन कैंसर समर्थन समूह स्तन कैंसर के बारे में मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करने में मदद कर सकता है, विशेष रूप से अशिक्षित व्यक्ति जिनके पास बीमारी के बारे में सटीक जानकारी नहीं पहुंच रही है। जागरूकता की कमी या सांस्कृतिक विश्वासों या वित्तीय बाधाओं की कमी के कारण व्यक्तियों को चिकित्सा सहायता लेना बंद करने की अधिक संभावना हो सकती है। एक सहायता समूह उन्हें बीमारी, उसके कारणों और उपचार के विकल्पों के बारे में सटीक और भरोसेमंद जानकारी प्रदान कर सकता है और उन्हें जल्दी चिकित्सा सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवर्स का सफर भावनाओं से भरा है। यात्रा कैंसर के निदान के साथ शुरू होती है कीमोथेरेपी के कई सत्रों के माध्यम से जारी रहती है रेडियोथेरेपी के बाद सर्जरी होती है। यह कैंसर उपचार न केवल व्यक्तियों पर बल्कि परिवार के सदस्यों पर भी भारी पड़ता है। उपचार पूरा होने के बाद नया जीवन भी प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग होता है। कुछ जल्दी से नए जीवन के अनुकूल हो सकते हैं जबकि अन्य को अभी भी सर्जरी के निशान कम आत्मसम्मान और कम कार्यात्मक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। अधिकांश सर्वाइवर्स द्वारा सामना की जाने वाली सामान्य चिंता कैंसर की पुनरावृत्ति या सामान्य रूप से जीवन में आगे बढ़ने के बारे में अनिश्चितता है। ऐसे लोगों के लिए ब्रेस्ट कैंसर सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा बनने से उन्हें स्थिति से निपटने और अपने जीवन में होने वाले परिवर्तनों के अनुकूल होने में मदद मिलती है।

हालांकि एक स्तन कैंसर सहायता समूह रोगियों और उनके परिवारों के लिए जानकारी का एक उत्कृष्ट संसाधन हो सकता है। उचित पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन के बिना, यह जल्दी से दिशाहीन अप्रभावी हो सकता है और इसमें शामिल लोगों को अनजाने में नुकसान या गलत सूचना भी दे सकता है। प्रशिक्षित सूत्रधारों के बिना, समूह में संरचना, फोकस और सामंजस्य की कमी होगी, और चर्चाएँ सदस्यों को सार्थक समर्थन या जानकारी प्रदान किए बिना लक्ष्यहीन रूप से भटकती हैं।

इस ढांचे को ध्यान में रखते हुए, लखनऊ स्तन कैंसर सहायता समूह की परिकल्पना मई 2019 में डॉ आनन्द कुमार मिश्रा द्वारा 25 महिला और 04 पुरुश सर्वाइवर के साथ की गई थी। यह संगठन लखनऊ में किंग

जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के एंडोक्राइन सर्जरी विभाग में स्तन कैंसर देखभाल द्वारा समन्वित और सुगम है। इस समूह में सर्वाइवर मरीज और उनके प्राथमिक देखभाल करने वाले शामिल हैं, जो यहां ऐसे मरीज की मदद और समर्थन करने के लिए हैं, जो उम्मीद खो चुके हैं और कैंसर होने के ज्ञान के साथ एक कठिन समय का सामना कर रहे हैं।

KGMU sets up breast cancer support group

PIONEER NEWS SERVICE | LUCKNOW

Lucknow Breast Cancer Support Group was launched at the Endocrine Surgery department of King George's Medical University (KGMU) on Saturday.

"Breast cancer is the most common and deadliest cancer among women. Breast cancer was one of the two most common cancers in 2018, according to the World Health Organization (WHO) with 20.9 lakh cases and 627,000 deaths. Early detection, screening and diagnosis saves more lives, improves quality of life and reduces cost and complexity of treatment," said Dr Anand K Mishra, head of Endocrine Surgery department, KGMU.

"The group is being formed with over 25 female and two male breast cancer survivors to help support not only patients who are going through diagnosis, treatment and care but also their attendants and family members. Survivors themselves will connect via Facebook and WhatsApp groups besides meeting in person as they decide upon," Dr Mishra said.

KGMU Vice-Chancellor Dr MLB Bhatt thanked the breast cancer survivors who not only defeated the deadly cancer but also demonstrated courage, compassion and solidarity to step forward to help and comfort other patients needing support.

"Patients do not only need physical health but also require support for mental health, where this group can play a pivotal role. There are over 150 patients who have successfully received breast cancer treatment and care by the Endocrine Surgery department of KGMU. With over 1.5 lakh breast cancer patients every year in India, KGMU's Endocrine Surgery department has stepped up its services for breast cancer patients with 70-80% cure rate. Early diagnosis is vital for improving survival," Dr Bhatt said.

"Breast cancer patient support groups play a key role in helping complement healthcare as well as give moral boost to patients and families. Breast cancer care includes dignity, respect, support and love and considers not just the physical impact of cancer but respects the emotional, and social wellbeing of each individual and their carer," Dr Rama Kant, former head of Surgery department and ex-chief medical superintendent of KGMU. Dr Rama Kant donated Rs one lakh for the cause.

"There are risk factors for breast cancer that are modifiable, such as obesity, unhealthy diet and sedentary lifestyles. Tobacco and alcohol in any amount is also responsible for carcinogenic mutations. Exposure to certain environmental compounds such as polycyclic aromatic hydrocarbons (PAH) also increase breast cancer risk. Non-modifiable risk factors are like genetic (5-10%) and early menarche and late menopause but majority of 90% risk factors for breast cancer are modifiable. We all must act upon reducing cancer risks and addressing the risk factors that are modifiable," Dr Poorva Ramakant of Endocrine Surgery department (KGMU) said.

Dr Kul Ranjan Singh pointed out that breast cancer incidence was occurring more in younger women in India. "Breast cancer is very aggressive in biology when it happens in younger women. Women present late to us unfortunately as 50-70% of patients who reach us are already in advanced stage or metastatic when they are first diagnosed. Late diagnosis of breast cancer is directly proportional to survival rate. Educating women, men and transgenders about healthy lifestyles to reduce cancer risk is important. We have to raise awareness about breast self-examination and if any change or inconsistency is found, people should check with the doctor," Dr Singh said.

लखनऊ ब्रेस्ट कैंसर सपोर्ट ग्रुप का उद्घाटन

## दृष्टि, मिशन, प्रेरणा

### हमारा विशेष कार्य

रोगियों और सर्वाइवर के बीच सहकर्मी शिक्षा के लिए एक मंच तैयार करना जहां अनुभवों को साझा और सहभागिता करके जागरूकता बढ़ा सकते है

- लोगों को स्तन कैंसर के बारे में शिक्षित करें
- मनो–सामाजिक परामर्श लेने में मदद कर सकते हैं
- सामाजिक–आर्थिक सहायता प्रदान कर सकते हैं

हमारे प्रतिभागियों को सशक्त बनाने के लिए

- उनकी बीमारी का स्वामित्व लेने के लिए
- मौजूदा जटिल स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को नेविगेट करें

### हमारा नजरिया

- रोगियों के बीच नेतृत्व और सहकर्मी समर्थन को बढ़ावा देना
- स्तन कैंसर जागरूकता और मनो–सामाजिक समर्थन के प्रावधान
- इलाज के बाद जीवन की गुणवत्ता में सुधार
- रोग और उपचार के बारे में जानकारी बढ़ाएँ
- पूरे उत्तर प्रदेश में मॉडल को बनाए रखना और उसका विस्तार करना

### हमारा कार्य

निम्नलिखित उद्देश्यों पर कार्य

- वर्तमान उपचारों, मुकाबला करने की रणनीतियों और के बारे में जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए
- रोगियों और देखभाल करने वालों के बीच संबंध बढ़ाने के लिए पुनर्वास
- रोगियों और देखभाल करने वालों अन्य कैंसर सर्वाइवर्स तक पहुंचने और उनसे जुड़ने के लिए
- जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सहायता प्रदान करना

## पिंक मैराथन – यात्रा से पहले शुरू हुआ जश्न

लखनऊ ब्रेस्ट कैंसर जागरुकता के लिये पिंक मैराथन 2018 का उद्घाटन

पिंक मैराथन का आयोजन 2018 में किया गया था। इसका आयोजन यूपी एथलेटिक एसोसिएशन के सहयोग से किया गया था। 66 तकनीकी लोगों ने पूरे आयोजन की निगरानी की थी। 1090 चौराहा गोमती नगर से शुरू होकर महिला व पुरुष वर्ग की 11 किमी की हाफ मैराथन आयोजित की गई। पंजीकरण सभी के लिए निःशुल्क था। इस कार्यक्रम में 2000 गुलाबी टी–शर्ट और टोपी वितरित की गई और हाफ मैराथन के विजेता को 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया, जो उत्तर प्रदेश में हाफ मैराथन के लिए अब तक की सर्वाधिक पुरस्कार राशि है। इस कार्यक्रम की ब्रांड

एंबेसडर सुश्री सुधा सिंह थीं, जो एक राष्ट्रीय एथलीट और एशियाई ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। मैराथन में भाग लेने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में सुश्री रचना गोविल, निदेशक, खेल प्राधिकरण आरसी, लखनऊ, श्री राम नाइक, उ0प्र0 के राज्यपाल, अशोक बाजपेयी सांसद, डॉ. आरपी सिंह, खेल निदेशक शामिल थे। मैराथन में हिस्सा लेने वाले और स्तन कैंसर के बारें में जागरुकता बढ़ाने वालें हजारों प्रतिभागियों के साथ यह आयोजन सफल रहा।

हालांकि आम लोगों की भागीदारी बहुत उत्साहजनक थी

फिनिश लाइन पर हमारें प्रतिभागी

पुरस्कार वितरण समारोह

हमारे स्तन कैंसर से बचे लोग मैराथन में भाग लेने को लेकर आशंकित थे। इस मैराथन में हमारे सर्वाइवर में से बहुत कम ने भाग लिया क्योंकि उनके निदान के बारे में खुल कर बात करना एक सामाजिक निषेध माना जाता था। इसने हमारे स्तन सहायता समूह की नींव रखी क्योंकि हमने महसूस किया कि स्तन कैंसर का चिकित्सा उपचार स्तन कैंसर के प्रबंधन के स्पेक्ट्रम का एक छोटा सा हिस्सा था। छः महीनों तक हमारे सभी सर्वाइवर्स के साथ घनिष्ठ व्यक्तिगत बातचीत, उन्हें नए जीवन को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, लखनऊ ब्रेस्ट कैंसर सपोर्ट ग्रुप का विचार इन ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवर्स को सशक्त बनाने के लिए पैदा हुआ था। इस कार्यक्रम ने हमारे आगामी कार्यक्रमों के लिए मार्ग प्रशस्त किया, जहां हमारे स्तन कैंसर के सर्वाइवर ने भाग लिया, जो स्तन कैंसर के अन्य रोगियों के लिए रोल मॉडल साबित हुए। 4 वर्षों की अवधि में आयोजित कुछ घटनाओं को नीचे हाइलाइट किया गया है।

## गतिविधियाँ

जैसा कि हम जानते हैं कि क्या स्तन कैंसर का निदान जीवन का अंत है? जवाब बड़ा नहीं है!

इसे उन महिलाओं से बेहतर और कौन साबित कर सकता है जो खुद इस महामारी के खिलाफ बहादुर योद्धा रही हैं!

जैसा कि हम LBCSG के संचालन के 5वें वर्ष का जश्न मना रहे हैं, इस न्यूजलेटर का उद्देश्य 4 साल की यात्रा का जश्न मनाना और इस यात्रा के कुछ महत्वपूर्ण क्षणों का आनंद लेना है।

LBCSG लोगो का उद्घाटन

केजीएमयू के पैरामेडिकल छात्रों द्वारा स्तन कैंसर जागरूकता पर स्किट

हमारे सर्वाइवर, मॉडलों के साथ रैंप पर चल रही है

## स्तन कैंसर सर्वाइवर के लिये 2019 मेगा फैशन शो–

अक्टूबर 2019 में, हमने हमारे सर्वाइवर को सुर्खियों में लाने की पहल की। अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर, लखनऊ में 70 महिलाओं और दो पुरुषों ने रैंप वॉक किया, यह दिखाने के लिए कि कैसे स्तन कैंसर का निदान और इसका उपचार जीवन को पूरी तरह से जीने के उनके उत्साह को कम नहीं कर सका। मुख्य अतिथि पद्मिनी कोल्हापुरे, बॉलीवुड अभिनेत्री और सम्मानित अतिथि, तृप्ति शाक्य, पार्श्व गायिका– इन पुरुषों और महिलाओं ने न केवल शैली और फैशन की भावना प्रदर्शित की, बल्कि आशा, साहस और नये जीवन की कहानियां भी सुनाईं। यह उन रोगियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक लंबा रास्ता तय करता है, जिन्हें हाल ही में स्तन कैंसर का पता चला है कि स्तन कैंसर आपको बदल देता है, लेकिन यह बदलाव सुंदर हो सकता है।

कैंसर से डरने का नहीं, बल्कि लड़ने का वक्त

फिल्म अभिनेत्री पदिनी कोल्हापुरी और गायिका तृप्ति शाक्य ने किया ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक, मॉडलों के साथ कैंसर सर्वाइवरों ने किया कैटवॉक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। जिंदगी प्यार का गीत है, हंस कर उस पार जाना पड़ेगा...। फिल्म अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी ने यह गीत गाकर ब्रेस्ट कैंसर सर्वाइवरों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अब कैंसर से डरने का नहीं बल्कि लड़ने का वक्त है। चिकित्सा क्षेत्र में नई तकनीक आने से ब्रेस्ट कैंसर पूरी तरह से ठीक हो जाता है। यह केजीएमयू के इंडोक्राइनोलॉजी सर्जरी विभाग की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कंवेंशन सेंटर में आयोजित ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं।

अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी ने गीतों के माध्यम से कैंसर सर्वाइवर को तनाव से दूर रहने और जिंदगी को खूबसूरत बनाने की सलाह दी। वहीं, पार्श्व गायिका तृप्ति शाक्य ने गीतों और भजनों से हौसला बढ़ाया। केजीएमयू इंडोक्राइनोलॉजी सर्जरी विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद मिश्रा ने बताया कि ब्रेस्ट कैंसर का इलाज अब आसान हो गया है। स्तन में गांठ दिखते ही चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। जांच से पता चल जाता है कि कैंसर की स्थिति क्या है। फिर उसी हिसाब से सर्जरी प्लान की जाती है। सर्जरी भी अब काफी आसान हो गई है। इस दौरान फैजाबाद विधायक बाबा गोरखनाथ, डॉ. अंजनी मिश्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में 63 महिला कैंसर सर्वाइवर और दो पुरुष शामिल थे। संचालन पंकज अनुभूति ने किया। इस दौरान लखनऊ ब्रेस्ट कैंसर सपोर्ट ग्रुप, टीम इंडिया लखनऊ, तृप्ति के कुटीरम ग्रुप, नामस्य क्लब आदि भी शामिल रहे। इससे पहले केजीएमयू कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट, प्रो कुलपति प्रो मधुमति सेठ, प्रो. जीपी सिंह, प्रो. आनंद मिश्रा, विधायक बाबा गोरखनाथ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

रैंप पर उतरीं कैंसर सर्वाइवर

केजीएमयू के इंडोक्राइनोलॉजी सर्जरी विभाग की ओर से कन्वेंशन सेंटर में आयोजित ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता कार्यक्रम में फिल्म अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी व गायिका तृप्ति शाक्य के साथ कैंसर सर्वाइवर [illegible] के लोगो लॉन्च करते एमडीएस भट्टेजा।

कैंसर से लड़ने का समय

## 2020 महामारी हमें नहीं रोक सकी!

लॉकडाउन के दौरान जहां यात्रा करना और सामाजिक मेलजोल करना असंभव था हमने हर महीने के पहले बुधवार को ऑनलाइन मीटिंग के जरिए अपने योद्धाओं और मरीजों की मदद करना जारी रखा। कोविड सावधानियों और प्रोटोकॉल के साथ–साथ बीमारी से संबंधित दैनिक प्रश्नों का उत्तर इन बैठकों के साथ–साथ एक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से ऑनलाइन दिया गया। अपने दर्शकों को प्रेरित रखने के लिए हमने योग कक्षाओं का आयोजन किया प्रेरक वक्ताओं को अपनी बैठक में आमंत्रित किया और 5 मिनट में स्वस्थ भोजन पकाएं जैसी कई ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

'Proper nutrition must for breast cancer survivors'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The department of endocrine surgery at King George's Medical University (KGMU), organised its monthly Lucknow breast cancer support group meet on a virtual platform on Wednesday.

The theme of the programme was 'Healthy Nutrition' in tune with 'nutrition month' being celebrated in September.

The meet began with the address by Prof Anand Mishra.

Senior dietitian at KGMU Shalini Shrivastav gave a brief talk on importance of proper nutrition for cancer survivors. She also moderated a session in which cancer survivors showcased their culinary skills.

Mehtaab, Neetu Rastogi, Kanchan Rawat, Anita Lal, Mukul Rani Tripathi, Anju Varam, Neelam Singh, Deepa Sunil Gupta, Beena Mishra and Pushpa Tripathi showed how healthy and affordable dishes can be prepared even by those hard-pressed for time.

The videos are available on the official YouTube channel of Lucknow breast cancer support group.

Prof Anand Kumar Mishra and Dr Kul Ranjan Singh answered the queries of patients and survivors. More than 70 survivors attended the meet. A bigger meet is being planned in October to celebrate breast xancer awareness month.

The breast cancer support group met on a virtual platform

ऑनलाइन स्तन कैंसर बैठक

## हमारे सर्वाइवर्स, फिल्म स्क्रीनिंग का आनंद लिया 2021

स्तन कैंसर से बचे लोगों की विशेष फिल्म स्क्रीनिंग का उद्घाटन

31 अक्टूबर 2021 को फन रिपब्लिक मॉल लखनऊ में हमारे बचे लोगों के लिए एक विशेष फिल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया था। लगभग 65 सर्वाइवर्स को एक या एक से अधिक तीमारदारों के साथ इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाबा गोरखनाथ थे। हमारे सभी उत्तरजीवी अपने परिचारकों के साथ मस्ती भरी शाम थी कहानियां साझा कर रही थी सभी को प्रेरित कर रही थी और इस बीमारी से जूझ रहे मरीजों को उम्मीद दे रही थी।

हमारे सर्वाइवर, फिल्म स्क्रीनिंग का आनंद ले रहे हैं

## अभी तो यह शुरूआत है

लखनऊ ब्रेस्ट कैंसर सपोर्ट ग्रुप का उद्देश्य लोगों को एक साथ लाना और स्तन कैंसर सर्वाइवर्स के बीच लंबे समय तक चलने वाली दोस्ती विकसित करना है, जिससे उन्हें आशा और शक्ति मिलती है। हमारे बीच दोस्ती का एक मजबूत बंधन है, हम एक साथ त्योहार मनाते हैं, संबंधित विषयों पर खुद को फिर से शिक्षित करते हैं और हमारे सर्वाइवर्स को दुनिया को यह बताने के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाने का लक्ष्य है कि इस बीमारी को हराया जा सकता है। इस प्रवृत्ति को जारी रखते हुए हम सभी 29 अप्रैल, 2023 को एक साथ इस समूह के 5वें वर्ष की शुरुआत का जश्न मनाएंगे।

इन जीवित बचे लोगों को देखकर अभी भी स्तन कैंसर से जूझ रहे लोगों को उम्मीद है कि सुरंग के अंत में हमेशा एक रोशनी होती है। ये घटनाएँ इस बात को पुष्ट करती हैं कि स्तन कैंसर का इलाज संभव है।

ब्रेस्ट कैंसर के खिलाफ इस लड़ाई में आप अकेले नहीं हैं,
जुडे रहने के लिये संपर्क करे–
www.lbcsg.com
Facebook/ Lucknow breast cancer support group
lbcsg20@gmail.com

# ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता के लिए
# लखनऊ ब्रेस्ट कैंसर सपोर्ट ग्रुप की एक पहल


इण्डोक्राइन सर्जरी विभाग,
सप्तम तल, शताब्दी हॉस्पिटल, फेज – 02
किंग जॉर्ज मेडिकल चिकित्सालय,
शहमीना रोड, लखनऊ, उ0प्र0।